Sixteenth Loksabha

an>

Title: Regarding moving of the Privilege Motion.

श्री ज्योतिरादित्य माधवराव सिंधिया (गुना): माननीय अध्यक्ष महोदया, ग्वालियर-शिवपुरी-देवास फोरलेन योजना को यूपीए सरकार ने 3,900 करोड़ रुपये की लागत से स्वीकृत किया था। हमने इसका शिलान्यास भी किया था। विगत 23 जुलाई को माननीय गडकरी जी लोकार्पण के कार्यक्रम में गये थे। स्थानीय सांसद होने के नाते मुझे न तो उस कार्यक्रम में आमंत्रित किया गया और न ही आमंत्रण कार्ड पर मेरा नाम था। शिला-पट्टिका में मेरा नाम लिखा गया था, लेकिन उस शिला-पट्टिका को तोड़कर नयी शिला-पट्टिका बनवायी गयी। श्री गडकरी साहब स्वयं उस कार्यक्रम में थे। ...(व्यवधान) मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और राज्य सरकार के बहुत-से अधिकारी मौजूद थे।...(व्यवधान) यदि स्थानीय सांसदों के मामले में नियमों का उल्लंघन होगा, हमारा अपमान होगा, ...(व्यवधान) तो यह विशेषाधिकार नियम का प्रस्ताव मैं आपके द्वारा मूव कर रहा हूँ। अगर सांसदों की गरिमा का ध्यान इस सदन में नहीं रखा जाएगा, शिला-पट्टिका तोड़ी जाएगी, ...(व्यवधान) यह लोकतंत्र का गला घोंटने का काम कर रही है। ...(व्यवधान) माननीय गडकरी जी यहाँ बैठे हैं, उनके साथ मेरी फोन पर चर्चा हुई है। ...(व्यवधान) उन्होंने स्वयं खेद प्रकट किया है। ...(व्यवधान) लेकिन मैं प्रिविलेज मोशन मूव करना चाहता हूँ।...(व्यवधान) मैं चाहता हूँ श्री गडकरी साहब इसका जवाब इस सदन में दें क्योंकि वे यहाँ मौजूद हैं।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : यह हो गया । अब बैठिए।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : वह तो उन्होंने प्रिविलेज मोशन दिया है।

...(व्यवधान)

HON. SPEAKER: Gadkari ji, he is talking about Privilege Motion given by him against Shivraj Singh Chauhan, not against you.

...(व्यवधान)

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री, पोत परिवहन मंत्री, तथा जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण मंत्री (श्री नितिन गडकरी): सम्माननीय स्पीकर महोदया, इन्होंने जो बात बताई है, मैं वहां गया था, वह बात मेरे से संबंध में है। जब मैं वहां गया था, तो यह बात सच है कि पत्रिका में उनका नाम नहीं था। यह कार्यक्रम वहां के स्थानीय विभाग के स्तर पर आयोजित किया गया था, लेकिन इसकी जिम्मेदारी मेरी है, क्योंकि मैं विभाग का मंत्री हूं। मुझे इस बात की जानकारी नहीं थी। फिर इनकी पार्टी के एक एम.एल.ए. मुझसे आकर मिले और उन्होंने मुझे बताया कि ऐसा-ऐसा हुआ है। इस पर मैंने वहां के जिलाधिकारी को बुलाकर पूछा कि यह नाम क्यों नहीं डाला है? उन्होंने कहा कि उन्होंने इनको फोन किया, लेकिन सम्माननीय सदस्य ने कहा कि मेरे पास समय नहीं है, मैं नहीं आऊंगा। …(व्यवधान)

श्री ज्योतिरादित्य माधवराव सिंधिया : नहीं अध्यक्ष महोदया, …(व्यवधान)

HON. SPEAKER: Nothing will go on record.

…(Interruptions)…[*]

HON. SPEAKER: Now, Papers to be laid on the Table.

… (*Interruptions*)

HON. SPEAKER: What is this?

… (*Interruptions*)

HON. SPEAKER: He is talking about Privilege Motion given by him against the Chief Minister. आप सब बैठिए।

…(<u>व्यवधान</u>)

श्री नितिन गडकरी : स्पीकर महोदया, …(व्यवधान) आप मुझे बोलने तो दो। …(व्यवधान) मैं आपको बात क्लियर कर रहा हूं। …(व्यवधान)

HON. SPEAKER: Now, you also listen to him. You have to listen to him.

… (*Interruptions*)

HON. SPEAKER: Nothing will go on record. Only the Minister's statement will go on record.

...(Interruptions)... *

HON. SPEAKER: Not like this.

... (*Interruptions*)

श्री नितिन गडकरी: मैंने कलेक्टर की कही हुई बात यहां कही है। मैडम, उसके बाद भी मैं इस बात को स्वीकार करता हूं। चाहे मेंबर ऑफ पार्लियामेंट आए या न आए, उसका नाम लिखना चाहिए था। उसका नाम पत्थर पर रखना चाहिए था। यह गलती हुई है। मैं डिपार्टमेंट की ओर से सम्माननीय सदस्य से क्षमा मांगता हूं, ताकि अगली बार ऐसा न हो।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: आप बैठो। अब बहुत हो गया।

...(व्यवधान)

HON. SPEAKER: What more do you want? मैंने कहा न कि मैं देखूंगी। आप बैठिए।

...(व्यवधान)

श्री ज्योतिरादित्य माधवराव सिंधिया : अध्यक्ष महोदया, आपको संरक्षण देना होगा। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: क्या मुझे माफी मांगनी पड़ेगी?

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: मुझे मालूम है। मैंने बोल दिया है। आपको संरक्षण देने के लिए उन्होंने बोला न, और संरक्षण क्या चाहिए? आप बैठिए ।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: प्लीज़, बहुत ज्यादा नहीं बोलना है।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: आइटम नंबर-5। श्री राम कृपाल यादव जी।

...(व्यवधान)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे (गुलबर्गा): मैडम स्पीकर, इसके जनरल इश्यू होने की वजह से आपके इंस्ट्रक्शंस हर जगह जाने चाहिए। यह बात ठीक है कि गडकरी जी ने माफी मांग ली। यह अलग बात है, लेकिन बाकी सभी एम.पीज़., चाहे वे हमारी पार्टी के हों या किसी दूसरी पार्टी के हों, अगर सभी को इसी ढंग से ट्रीट किया जाएगा, तो अच्छा नहीं है। इसीलिए आपकी ओर से सख्त कदम उठाया जाना चाहिए और आपको यह कहना चाहिए कि अगर कोई ऐसी गलती करता है, तो आप उनके लिए अपनी ओर से आप कुछ सजा दीजिए। …(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: मैं किसी को सजा नहीं दे सकती हूं।

…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: जहां तक मेरी जानकारी है,

…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: आप प्लीज़ बैठिए। यहां कोई अदालत नहीं बैठी है।

…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: बहुत ज्यादा नहीं बोलना। मैं बोलूंगी तब न?

…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: आई एम सॉरी।

…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: आप बोलने नहीं दोगे, तो मैं संरक्षण कहां से दूंगी? लट्ठ लेकर दूं? आप मुझे बोलने तो दो ।

…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: यह अच्छा एटिट्यूड नहीं है।

…(व्यवधान)

ग्रामीण विकास मंत्री, पंचायती राज मंत्री तथा खान मंत्री (श्री नरेन्द्र सिंह तोमर): माननीय अध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से पूरे सदन के ध्यान में यह बात लाना चाहता हूं कि ज्योतिरादित्य जी गुना के सम्माननीय सांसद हैं। राज्य सरकार और केंद्र सरकार की

जितनी भी योजनाएं होती हैं, उनका उद्घाटन और शिलान्यास वे बखूबी करते हैं। इसमें कहीं कोई बाधा नहीं आती है। उस दिन मैं वहां नहीं था, लेकिन मैं समझता हूं कि नितिन गडकरी जी इस सदन के सम्माननीय सदस्य हैं और वरिष्ठ मंत्री हैं। उन्होंने इस बात को स्वीकार भी किया और इसके बाद स्वीकार किया कि वहां के कलेक्टर ने आपसे बात की। उसके बाद उन्होंने आपसे सॉरी भी बोला। मैं समझता हूं कि इसके बाद यह बात खत्म हो जाती है।

माननीय अध्यक्ष महोदया, आप भी सांसद रही हैं, मैं भी सांसद रहा हूं और ये भी सांसद रहे हैं। यू.पी.ए. सरकार के समय भाजपा के कौन से सांसद को बुलाया जाता था? ...(व्यवधान) जब कांग्रेस की सरकार राज में थी, तब किस को बुलाया जाता था?... (व्यवधान)

श्री ज्योतिरादित्य माधवराव सिंधिया : हर एक को बुलाया जाता था। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: मैं इस पर बहस नहीं चाहती हूं।

...(<u>व्यवधान</u>)

श्री नरेन्द्र सिंह तोमर: हर चीज़ को राजनीति का विषय नहीं बनाना चाहिए। ...(व्यवधान) जब नितिन गडकरी जी ने माफी मांग ली, तो मैं समझता हूं कि यह अपने आप में बहुत बड़ी बात हो गई। ...(व्यवधान) यह तरीका बिलकुल उचित नहीं है। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : यह गडकरी जी का बड़प्पन है कि उन्होंने तुरंत उठकर माफी मांगी है। मैं वास्तव में इसके लिए उनकी सराहना करती हूं। इनके लिए मैं यह कहूंगी कि ज्योतिरादित्य जी, यह पद्धति नहीं है।

...(<u>व्यवधान</u>)

माननीय अध्यक्ष : यह बोलने का तरीका नहीं है।

...(<u>व्यवधान</u>)